केरल हिन्दी प्रचार सभा, तिरुवनन्तपुरम

अगस्त 2011

साहित्याचार्य (प्रथम खण्ड) परीक्षा

(സാഹിത്യാചാര്യ (പ്രഥമ ഖണ്ഡം) പരീക്ഷ)

प्रश्नपत्र 2 (പത്രസംഖ്യ 2)

समयः 3 घंटे) (पूर्णांक : 100

(सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।)

I. हिन्दी साहित्य के इतिहास के आदिकाल की परिस्थितियों और काव्य प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

अथवा

रामभक्ति के उद्‌भव एवं विकास का विवरण कीजिए।

अथवा

प्रेमचन्द के उपन्यास-साहित्य की चर्चा करते हुए उनकी कतिपय औपन्यासिक कृतियों में अभिव्यक्त आदर्शोन्मुख यथार्थवाद के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

II. गुजराती भाषा के गाँधी - युगीन साहित्य की विशेषताओं का प्रतिपादन कीजिए।

अथवा

बंगला के आधुनिक साहित्य का संक्षेप में विवरण देते हुए कवीन्द्र रवीन्द्र के महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

तमिल के नाटक-साहित्य का परिचय दीजिए।

III. राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-कार्य को केरल के योगदान का विवरण कीजिए।

Sahithya charya - I

अथवा

हिन्दी के प्रचार में स्वैच्छिक संस्थाओं की भूमिका का वर्णन कीजिए।

अथवा

भारत में हिन्दी प्रचार आन्दोलन का दिग्दर्शन कराइए।

IV. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:-

1. रासो काव्य
2. निर्गुण भक्ति धारा
3. अष्टछाप
4. रीतिकालीन प्रवृत्तियाँ
5. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
6. छायावाद
7. नई कविता

Sahitya Acharya - I